الأردنيال الأردنيال المنظ والآثار " (/) () (/)
(/)
.
: : -. // . . .

. / © - -

```
( )
                             ( )
         ( )
              ()( / )
   ( )
     ()( / )
                             () /
                              ( )"
  )
     ( / )
:
               ( )
   ( / )
               (
                      )
.( )
```

· ()"

" ()" ()"

()

·

.

u u .

- -

```
( )( )
( / )
             ( ) "
                       ( / )
.( )
     " ( / ) "
( )
                       " ( / )
/ )
( )"
```

```
( / )
( / )
                 ( )
          ( )( /
                 )
                       ( )"
          ( )
       ( )"
            .( )
      ( )
  .( )"
 ( ) ( / )
      : ( )
```

```
( )( - / - )
( - / - )
                                 ( ).
 ) Jaime I
         ( )( / )
                                       (
( ).( / )
                ( )"
    ( )"
                   (
 . :
```

()" () u ()u ()11 ()" ()" ()

. :

-

الجازال ويتلا على والآثار () ()

" () " ...

()(/)

п

()u
. ()u ...

()"

" ()" ...

. : .

```
( )"
                                                      ( )
                     ( )"
  ( )
                                          ( )"
                                             ( )
                                            ( )
               ( )
                                                    ( )
                                            ( )"
                                       . ( )"
( )"
                   ( )"
                              ( /
                                         )
                              ( /
                                          )
```

_ -

المجسانة الأردنية للتسانيخ والآثأر

()" ()" п ()п ()" ()" ()" ()" .()" (()" ()"

- -

)

() ()

() ()n .

: () :

_ _ _

			الخ والآثار	رنيالل الماليان	الالا	المجر
(/)		((/)
	()		·			
			.()			
п				()"		
	:			()		
	-	:		-	:	
		-			-	
			.() .() .() .()	: :	:	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·

			()	
	()n	•			п
	()				
	" : () _"				
.() : .(.() .() .() .() .() .() .() .()		- :	: : :	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·

لمحسالالأرنيالت اليخ والآثار

```
:
( )"
                                     .( )"
                    ( )"
             ( )"
     ( )
                           ( )
     ( )"
                   ( )
 ( )11
         . ( )"
                           ( )11
                : : ( )
 .( )
                .( )
 ( ) ( )
                                  .( )
     ( ) ( )
                                      .(
                           .( )
.( )
                                  :
```

() .() ()" () ()(/ : ()

-

المجسأة الأردنية للتسانيخ والآثار

	."	II			:
(()")"	п ()	lu	n ()n	()11 II
	•) (:)	: (
	() : (: :	: ()) : () : ()	: () : (() : ()) : ()	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
() .() ()	: () : () : () () :	;) : :	· () · () · () · () · () · ()	
	() : : ()	: () () : :	: (() : .) / : () : ()
	: : : ()		: (()	: () .() :

- -

()11

 ()
 :
 ()
 :
 .

 :
 ()
 :
 ()
 :
 .

 :
 ()
 :
 ()
 :
 ()

 .()
 :
 ()
 :
 ()

- -

المحسانالأر دنيال البيخ والآثار

() () . () " ()" ()

 ()
 :
 ()
 :
 ()
 :
 .()
 :
 .()
 :
 .()
 :
 .()
 :
 .()
 :
 .()
 :
 .()
 .:
 .()
 .:
 .()
 .:
 .()
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..
 ..< .(.() : .

- -

():()	():()
		•
	:	· ()
()u	":	и ()и
: ()	: ()) : ()
: (.() :) : () : (
() :	() : : ()	() : : () : .() ()
	.()	: () : (
: ()	: ()	: () :
: ()	: () :	() : ()
		• ()
() ()	()	: () :

:()	:	:	()	:
			:		:
" : "	()	()			() () ()
:	: () () () : () : () : ()	: ; (() :) .() :		.(;) ; () ; ; ;) : () :

		:	•		:
()				
	:	:()	:	:()	
	·		-		-
,				:	:
ĺ		:	().		
		:()	-	:()	
		· :()			
: ((:) () : () ; : () : (() : : () : () : (() : () () () () () () ()	() :

. -



The Critical Readings of Ibn al-Abbar (d. 658 A.H./1260 A.D.) in his Book *Takmilat li-Kitab al-Silah*, His Supplement to the Book *al-Silah* by 'Ali ibn Bishkawal (d. 578 A.H./1183 A.D.)

Yusif Ahmad Bni Yasin*

ABSTRACT

This study seeks to clarify the relationship between the book *al-Silah* by Ibn Bishkawal and the supplement *al-Takmilah* by Ibn al-Abbar. *Al-Takmiklah* did not follow the pattern of the other Andalusian *Silah* books because it did not go back to the original source for review. Ibn al-Abbar presented his book *al-Takmilah* as a return to *al-Silah* as a review, critical reading and completion. The study examines the critical readings and comments in terms of their number, types and reasons for their presence by comparing the two texts.

KEYWORDS: Ibn Bishkwal, Ibn al-Abbar, Kitab al-Takmilah, Andalusian Literature

^{*} History Department, University of Jordan. Received on 5/1/2012 and accepted for publication on 24/5/2012.